भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4951

मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्टार्टअप इंडिया योजना

4951. श्री जी. सेल्वमः

श्री नवसकनी के.:

श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु राज्य में स्टार्टअप इंडिया योजना के अंतर्गत इसकी शुरुआत से अब तक पंजीकृत स्टार्टअप्स की कुल संख्या कितनी है;

(ख) स्टार्टअप्स की संधारणीयता और वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या रोजगार सृजन पर योजना के प्रभाव का कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस) और स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के तहत कितने स्टार्टअप्स को वित्तपोषण सहायता मिली है;

(ङ) इन योजनाओं के अंतर्गत वित्तपोषण प्राप्त करने वाले स्टार्टअप्स द्वारा सृजित नौकरियों की संख्या कितनी है;

(च) क्या स्टार्टअप्स द्वारा रोजगार सृजन पर कोई क्षेत्रवार आंकड़े उपलब्ध हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक पहल है। सरकार ने नवप्रयोग, स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक सुदृढ़ ईकोसिस्टम का निर्माण करने और देश के स्टार्टअप ईकोसिस्टम में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत की।

स्टार्टअप इंडिया पहल के प्रभावी कार्यान्वयन तथा स्टार्टअप की दीर्घकालिकता और विकास सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने स्टार्टअप इंडिया कार्य-योजना की शुरुआत की, जिसमें देश में एक ऊर्जावान स्टार्टअप ईकोसिस्टम बनाने के

लिए परिकल्पित स्कीमें और प्रोत्साहन शामिल हैं। इस कार्य-योजना में "सरलीकरण और सहायता", "निधीयन सहायता और प्रोत्साहन" तथा "उद्योग-अकादमिक क्षेत्र की भागीदारी और इन्क्यूबेशन" जैसे क्षेत्रों से संबंधित 19 कार्य मदें शामिल हैं।

दिनांक 19 फरवरी, 2019 की सा.का.नि. अधिसूचना 127 (अ) के तहत निर्धारित पात्रता शर्तों के अनुसार, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत कंपनियों को "स्टार्टअप्स" के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है। 31 जनवरी, 2025 तक, डीपीआईआईटी द्वारा देशभर में 1,61,150 कंपनियों को 'स्टार्टअप' के रूप में मान्यता दी गई है। 31 जनवरी, 2025 तक, विशेष रूप से तमिलनाडु राज्य में, 10,814 कंपनियों को डीपीआईआईटी द्वारा 'स्टार्टअप' के रूप में मान्यता दी गई है।

(ग): 31 जनवरी, 2025 तक, डीपीआईआईटी द्वारा मान्यताप्राप्त स्टार्टअप्स ने 17.69 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगारों (स्व-संसूचित) का सृजन किया है। 31 जनवरी 2025 तक, विशेष रूप से तमिलनाडु राज्य में, डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप्स के रूप में मान्यताप्राप्त कंपनियों ने 1.13 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगारों का सृजन संसूचित किया है।

(घ) और (ङ): स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत**,** सरकार प्रमुख स्कीमें, नामतः स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस) और स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) को कार्यान्वित कर रही है ताकि स्टार्टअप्स को उनके व्यवसाय चक्र के विभिन्न चरणों में सहायता प्रदान की जा सके।

एफएफएस को उद्यम पूंजी निवेश की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए स्थापित किया गया है और यह भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा संचालित है**,** जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)- पंजीकृत वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) को पूंजी प्रदान करती है, जो आगे स्टार्टअप्स में निवेश करती है। स्कीम के अंतर्गत एआईएफ ने 31 जनवरी, 2025 तक 1,197 स्टार्टअप्स में निवेश को बढ़ाया है। स्टार्टअप्स द्वारा लगभग 2 लाख प्रत्यक्ष रोजगारों (स्व-संसूचित) का सृजन किया गया है।

एसआईएसएफएस**,** इन्क्यूबेटर्स के जरिए आरंभिक स्तर के स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। एसआईएसएफएस को 1 अप्रैल, 2021 से लागू किया गया है। स्कीम के तहत अनुमोदित इन्क्यूबेटरों ने 31 जनवरी, 2025 तक वित्तपोषण के लिए 2,647 स्टार्टअप्स का चयन किया है। अनुमोदित इन्क्यूबेटरों द्वारा सहायता प्राप्त लाभार्थी स्टार्टअप्स ने 16,500 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगारों (स्व-संसूचित) का सृजन किया है।

(च): 31 जनवरी 2025, तक डीपीआईआईटी द्वारा मान्यताप्राप्त स्टार्टअप्स द्वारा सृजित प्रत्यक्ष रोजगारों (स्व-संसूचित) की उद्योग-वार संख्या **अनुबंध-I** में दी गई है।

(छ): स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, सरकार स्टार्टअप ईकोसिस्टम के विकास और वृद्धि के लिए तथा स्टार्टअप ईकोसिस्टम में रोजगार के अवसरों को और अधिक बढ़ाने के लिए निरंतर विभिन्न प्रयास करती है।

प्रमुख स्कीमें, नामतः स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) और स्टार्टअप्स के लिए ऋण गारंटी स्कीम (सीजीएसएस) स्टार्टअप्स को उनके व्यवसाय चक्र के विभिन्न चरणों में पूंजी जुटाने में सहायता प्रदान करती हैं ताकि स्टार्टअप्स रोजगार के और अधिक अवसरों का सृजन कर सकें। सरकार, आवधिक कार्यों और कार्यक्रमों को भी कार्यान्वित करती है, जिसमें राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग, राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार और नवप्रयोग सप्ताह शामिल हैं, जो सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के क्षेत्रीय स्टार्टअप ईकोसिस्टम को सुदृढ़ करके ईकोसिस्टम के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे समग्र रूप से रोजगार को बढ़ावा मिलता है। सरकार, स्टार्टअप महाकुंभ जैसी ईकोसिस्टम आधारित पहलों को भी प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करती है, जो हितधारकों को नेटवर्क बनाने और सहयोग प्रदान करने के दृष्टिकोण से एक ऊर्जावान मंच के रूप में कार्य करता है। बाजार पहुंच में सुधार लाने और सार्वजनिक अधिप्राप्ति को सक्षम बनाने संबंधी पहलें भी शुरू की गई हैं, जो स्टार्टअप्स को उनके व्यवसाय में वृद्धि और स्केलिंग-अप करने में भी सहायता प्रदान करती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे स्टार्टअप इंडिया पोर्टल और भास्कर, संसाधनों तक पहुंच को आसान और स्टार्टअप ईकोसिस्टम के अंतर्गत सहयोग को सक्षम बनाते हैं। सरकार मेंटरशिप, अवसंरचना तक पहुंच, संसाधनों और ज्ञान को साझा करने, बाजार लिंकेज में सहायता और निवेशक कनेक्ट के माध्यम से स्टार्टअप्स की सहायता करने के लिए कॉरपोरेट्स को भी प्रोत्साहित कर रही है। देशभर में जमीनी स्तर पर नवप्रयोग और स्टार्टअप्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए जिला आउटरीच कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन उपायों को बल प्रदान करने हेतु विनियामक सुधार और ईकोसिस्टम विकास के अन्य आयोजन और कार्यक्रम भी किए जाते हैं।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 01.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 495के 1 भागचके उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

31 जनवरी, 2025 की स्थिति के अनुसार, डीपाआईआईटी द्वारा मान्यताप्राप्त स्टार्टअप्स के माध्यम से सृजित प्रत्यक्ष रोजगार (स्व-संसूचित) का उद्योग-वार विवरण निम्नानुसार है:

उद्योग	**संख्या**
विज्ञापन	12,271
एरोनॉटिक्स एयरोस्पेस और रक्षा	13,858
कृषि	87,683
एआई	25,801
एयरपोर्ट प्रचालन	1,193
एनालेटिक्स	9,775
एनीमेशन	2,159
एआर वीआर (ऑगमेंटेड + वर्चुअल रिऐलटी)	6,021
आर्किटेक्चर इंटीरियर डिजाइन	10,840
कला और फोटोग्राफी	4,701
आटोमोटिव	41,550
जैव प्रौद्योगिकी	3,839
रसायन	17,828
कंप्यूटर विजन	2,574
निर्माण	95,190
डेटिंग मैट्रीमोनियल	732
डिज़ाइन	9,470
शिक्षा	94,311
एंटरप्राइज़ सॉफ़्टवेयर	26,080
आयोजन	5,816
फ़ैशन	25,662
वित्त प्रौद्योगिकी	59,547
खाद्य और पेय पदार्थ	103,311
हरित प्रौद्योगिकी	29,007
स्वास्थ्य देखभाल और लाइफसाइंसेज	154,742
घरेलू सेवाएं	18,003
मानव संसाधन	90,543
इंडिक लैंग्वेज स्टार्टअप्स	3,691
इंटरनेट ऑफ थिंग्स	15,284
आईटी सेवाएं	213,773
लॉजिस्टिक्स	12,292
विपणन	30,678

उद्योग	**संख्या**
मीडिया और मनोरंजन	21,145
नैनो टेक्नॉलाजी	1,897
गैर-नवीकरणीय ऊर्जा	13,152
अन्य विशेष खुदरा विक्रेता	15,203
अन्य	28,274
यात्री अनुभव	260
पालतू पशु और पशु	3,160
व्यावसायिक और वाणिज्यिक सेवाएं	97,712
रीयल एस्टेट	16,681
नवीकरणीय ऊर्जा	44,300
रिटेल	39,808
रोबोटिक्स	6,216
सुरक्षा	9,443
सुरक्षा समाधान	35,034
सामाजिक प्रभाव	8,286
सोशल नेटवर्क	5,256
खेल-कूद	6,741
प्रौद्योगिकी हार्डवेयर	53,650
दूरसंचार और नेटवर्किंग	17,110
वस्त्र और परिधान	41,357
खिलौने और खेल	5,058
परिवहन और भंडारण	31,422
यात्रा और पर्यटन	25,512
अपशिष्ट प्रबंधन	14,703
कुल	**17,69,605**

*****